एक नजर में

फ्री मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर

गुना। लायंस क्लब गुना सिटी पारमार्थिक न्यास द्वारा संचालित लायंस नेत्र चिकित्सालय व जिला अंधत्व निवारण समिति के सहयोग से लगातार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नि:शुल्क मोतियाबिंद नेत्र परीक्षण शिविर लगाये जा रहे हैं। गुरूवार, शुक्रवार को लायंस अस्पताल गुना में निःशुल्क मोतियाबिंद नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 11 सितंबर 25 को गुना जिले के कुंभराज, सानई एवं शुक्रवार को बमोरी, विशनवाड़ा में निःशुल्क मोतियाबिंद नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

दिव्यांगजनों के बनाए लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार आज जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र गुना में जिले के दिव्यांगजनों को बसों के किराये में रियायत पास एवं लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनाये जाने हेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अति. क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी गुना ज्ञानेन्द्र वैश्य एवं उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग गुना अब्दुल गफ्फार की उपस्थिति में जिले के लगभग 100 दिव्यांगजनों को बसों के किराये में रियायत पास एवं लगभग 80 दिव्यांगजनों को ड्राइविंग लाइसेंस बनाये गये। इस दौरान परिवहन विभाग से सुशील भार्गव, अनिल लखेरा, बादाम राजौरिया, प्रशांत गुप्ता, विवेक दुबे, जितेन्द्र चौहान एवं समस्त स्टॉफ सहित सामाजिक न्याय विभाग के नीतेश कुमार शर्मा, अमन चंदेल, आकाश जैन, महेश चौरसिया उपस्थित रहे।

आपत्ति निराकरण की बैठक आज

गुना। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/ सहायिकाओं के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु जिला स्तरीय आपत्ति निराकरण समिति की बैठक का आयोजन पदेन अध्यक्ष मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गुना की अध्यक्षता में किया जा रहा है। जिसमें परियोजना चांचौडा की बैठक 11 सितम्बर को दोपहर 12 बजे आयोजित की गई थी। उक्त बैठक का समय परिवर्तन किया गया है। अब परियोजना चांचौडा की बैठक दिनांक 11 सितम्बर 25 को दोपहर 2 बजे से जिला पंचायत सभा कक्ष में आयोजित की जायेगी।

सार्थक अटेंडेंस की अनिवार्यता के खिलाफ लामबंद

सीएमएचओ और सिविल सर्जन को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

नवभारत न्यूज

गुना 10 सित. का। जिले के जिला अस्पताल परिसर में बुधवार को डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी एकजुट होकर सार्थक एप से अटेंडेंस की अनिवार्यता के विरोध में लामबंद हो गए। कर्मचारियों ने अस्पताल परिसर में नारेबाजी कर अपनी नाराजगी जताई और क्रमशः मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर तथा सिविल सर्जन को ज्ञापन सौंपकर इस व्यवस्था को तत्काल समाप्त करने की मांग की।

स्वास्थ्यकर्मियों ने अपने ज्ञापन में कहा कि विभाग ने उपस्थिति दर्ज करने के लिए सार्थक एप को अनिवार्य कर दिया है। यह व्यवस्था स्वास्थ्य सेवाओं की कार्यप्रणाली के अनुकूल नहीं है। डॉक्टरों और कर्मचारियों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग एक आपातकालीन सेवाओं से जुड़ा विभाग है, जहां तय समय से अलग-अलग रोस्टर, रात्रि कालीन और ऑन कॉल ड्यूटी करनी पड़ती है। ऐसे में एप के जरिए उपस्थिति दर्ज कराना न केवल अव्यावहारिक है, बल्कि यह स्वास्थ्यकर्मियों की निष्ठा और सेवा भावना पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है।

बार-बार ड्यूटी और एप की खामियां

कर्मचारियों ने बताया कि रोस्टर के अनुसार सुबह, दोपहर और शाम की ड्यूटी करने के बाद भी उन्हें बार-बार ऑन कॉल बुलाया जाता है। ऐसे में हर बार एप से उपस्थिति दर्ज कराना असंभव है। शिविरों, व्हीआईपी ड्यूटी और आकस्मिक परिस्थितियों में एप का प्रयोग बिल्कुल भी संभव नहीं है। कर्मचारियों ने यह भी कहा कि यह एप कर्मचारियों के स्वाभिमान पर चोट करता है और उनकी कार्यक्षमता पर नकारात्मक असर डालता है।

डॉक्टरों और संघ का नेतृत्व

इस आंदोलन का नेतृत्व मध्य प्रदेश चिकित्सा अधिकारी संघ, शाखा गुना ने किया। जिलाध्यक्ष डॉ. रितेश कांसल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मरीज का जीवन पहले है, उसके बाद उपस्थिति का औपचारिकता देखना जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सार्थक एप की अनिवार्यता वापस नहीं ली गई तो संघ को आंदोलन को और तेज करना पड़ेगा। इस दौरान बड़ी संख्या में डॉक्टर्स और पैरामेडिकल स्टॉफ उपस्थित रहा।

आपातकालीन सेवाओं में बाधा का खतरा

ज्ञापन में विस्तार से बताया गया कि आपातकालीन ड्यूटी के दौरान सार्थक एप से उपस्थिति दर्ज कराना संभव नहीं होता। एप में बार-बार त्रुटियां आती हैं, डेटा लॉस होता है और फेस रिकॉग्निशन या नेटवर्क समस्या के कारण कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज नहीं हो पाती।

इस वजह से वेतन भुगतान में भी दिक्कतें आने लगेंगी। स्वास्थ्यकर्मियों का कहना है कि पहले से ही अस्पतालों में बायोमेट्रिक मशीन और उपस्थिति रजिस्टर मौजूद हैं, फिर अतिरिक्त माध्यम से उपस्थिति लेना अनावश्यक मानसिक दबाव और शोषण जैसा है।

रोगियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की मांग

स्वास्थ्यकर्मियों का स्पष्ट कहना है कि उनके लिए मरीज का उपचार सर्वोपरि है। यदि किसी गंभीर मरीज को पहले इलाज छोड?र उपस्थिति दर्ज करनी पड़ी तो उसके जीवन पर संकट आ सकता है। यह व्यवस्था न केवल सेवाओं में बाधा डालेगी बल्कि विवाद की स्थिति भी उत्पन्न कर सकती है। मध्य प्रदेश चिकित्सा अधिकारी संघ की जिला इकाई ने मांग की है कि तत्काल सार्थक एप से उपस्थिति दर्ज करने की अनिवार्यता समाप्त की जाए। कर्मचारियों ने कहा कि उनकी सेवाओं की प्रकृति को देखते हुए यह व्यवस्था तर्कसंगत नहीं है। यदि सरकार ने इसे वापस नहीं लिया तो स्वास्थ्य अमला बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

16 घंटे बाद गांव से शव एम्बुलेंस में निकाला, पीएम के बाद हुआ चक्काजाम

नवभारत न्यूज

गुना। जिले के बमोरी क्षेत्र के चाकरी और चिकारी गांवों के बीच वन भूमि को लेकर मंगलवार को हुए खूनी विवाद में एक व्यक्ति की मौत के बाद हालात लगातार तनावपूर्ण बने रहे। घटना के लगभग 16 घंटे बाद बुधवार सुबह प्रशासन शव को गांव से बाहर निकालकर एम्बुलेंस से बमोरी अस्पताल पहुंचा सका, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। इस दौरान गुस्साए परिजनों एवं समाज के लोगों ने बमोरी में सड? पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। हालांकि अधिकारियों की समझाइश के बाद जाम खोला गया और शव का अंतिम संस्कार किया गया।

जानकारी के मुताबिक चाकरी और चिकारी गांव के बीच वन भूमि पर कब्जे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। मंगलवार को दोनों पक्षों की पंचायत बुलाई गई, लेकिन इसमें कोई फैसला नहीं निकल सका। देर शाम पंचायत खत्म होने के बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते करीब 300 से 400 लोग भिड़ गए और पत्थरबाजी के साथ-साथ गोफन और तीर चलने लगे। इस झगड़े में चाकरी गांव के गंगाराम भील (55) के पेट में पत्थर लगा। घायल गंगाराम को जब साथी पानी पिलाने ले गए तो उनकी मौके पर ही मौत हो गई। विवाद में कई लोग घायल हुए, जिनमें एक को सीने में तीर लगा।

गंगाराम की मौत के बाद दोनों गांवों में तनाव फैल गया। ग्रामीणों के गुस्से को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अमला गांव से चार किलोमीटर दूर ही डेरा डाले रहा। शव को पूरी रात घर में ही रखा गया। इस दौरान परिजन और समाजजन आरोपी पक्ष की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। हालात बिगडने की आशंका को देखते हुए देर रात तक भारी पुलिस बल तैनात रहा। बुधवार सुबह करीब 9 बजे एम्बुलेंस गांव के भीतर पहुंच सकी। शव को सुरक्षा घेरे में लेकर बाहर निकाला गया और बमोरी अस्पताल भेजा गया। यहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। लेकिन गुस्साए भील समाज ने शव को सड? पर रखकर बमोरी में चक्काजाम कर दिया। यहां पुलिस और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी हुई।

कार्य में लापरवाही बरतने पर जिला ई-गवर्नेंस समिति के सहायक प्रबंधक की सेवा समाप्त

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल द्वारा जिला ई-गवर्नेंस समिति अंतर्गत अनुविभाग चांचौड़ा में पदस्थ सहायक प्रबंधक अमित विश्वकर्मा को कार्यो में घोर लापरवाही बरतने एवं उदासीनता बरतने पर तत्काल प्रभाव से संविदा सेवा समाप्ति के आदेश जारी किये गये हैं। जारी आदेश में उल्लेख किया गया हैं कि सहायक प्रबंधक अमित विश्वकर्मा द्वारा विभागीय कार्यो में लापरवाही बतरने, पी.पी.टी. प्रजेंटेशन एवं अन्य जानकारियाँ तैयार नहीं करने एवं कार्यालयीन समय पर अनुपस्थित रहने, सीएम हेल्पलाइन जबाब नहीं भरने तथा सौंपे गए कार्यों को समय-समय पर संपादित नहीं करने किया जा रहा था। सहायक प्रबंधक श्री विश्वकर्मा द्वारा निरंतर अपने कर्तव्य निर्वहन में घोर लापरवाही, उदासीनता एवं स्वेच्छाचारिता बरती जा रही थी। श्री विश्वकर्मा का आचरण संविदा शर्तों के प्रतिकूल होने एवं अनुविभाग में समिति की छवि पर भी प्रतिकूल प्रभाव पडने, साथ ही अनाधिकृत रूप से अपने कर्तव्य स्थल से अनुपस्थित रहते थे। अमित विश्वकर्मा को कार्य प्रगति सुधार हेतु कई बार निर्देशित किया गया। किंतु दायित्वों का निष्पादन नहीं करने के फलस्वरूप तथा अनुबंध की शर्त 12 अनुसार नोटिस जारी कर अपना पक्ष/स्पष्टीकरण लिखित में प्रदाय करने का अवसर प्रदान किया गया था।

सहायक प्रबंधक अमित विश्वकर्मा को पर्याप्त अवसर प्रदाय किये गये थे, किन्तु श्री विश्वकर्मा द्वारा अपनी कार्य में कोई सुधार नहीं किया गया। कार्यो में घोर लापरवाही बरतने एवं उदासीनता बरतने पर कलेक्टर श्री कन्याल द्वारा अमित विश्वकर्मा की संविदा सेवा तत्काल प्रभाव से किये जाने के आदेश जारी किये गये हैं।

शासकीय स्कूल बिलोनिया में लगातार चोरियां, शिक्षक और छात्र दहशत में

गुना। शासकीय माध्यमिक एवं हाइस्कूल बिलोनिया में पिछले दस दिनों से लगातार चोरी की घटनाओं ने विद्यालय प्रबंधन और छात्रों की नींद उड़ा दी है। स्कूल परिसर से आए दिन आवश्यक शैक्षणिक सामग्री चोरी हो रही है, लेकिन शिकायतों के बाद भी अब तक पुलिस और प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार, 1 सितंबर को विद्यालय समय के बाद ट्यूबवेल मोटर की केबल चोरी हो गई। इसके बाद 2 और 3 सितंबर के बीच अज्ञात चोरों ने माध्यमिक स्कूल के एक कक्ष का ताला तोडकर 50 इंच की टीवी चोरी कर ली। 6 सितंबर को फिर से विद्यालय के एक अन्य कक्ष का ताला तोडकर दो पंखे गायब कर दिए गए। ताजा घटना 9 सितंबर की है जब विद्यालय परिसर में लगे ट्यूबवेल से सबमर्सिबल पंप चोरी करने की कोशिश की गई, हालांकि इस बार चोर अपने इरादों में पूरी तरह सफल नहीं हो सके।

इन घटनाओं की लिखित शिकायतें कैंट थाना गुना, पुलिस अधीक्षक कार्यालय गुना, जिला शिक्षा अधिकारी और कलेक्टर गुना को दी गई हैं, लेकिन अब तक किसी प्रकार की कार्रवाई सामने नहीं आई है। लगातार हो रही चोरियों से विद्यालय में अध्ययन

का माहौल प्रभावित हो रहा है। विद्यालय प्रशासन का कहना है कि चोरी की वजह से न केवल बच्चों की पढ़ाई में बाधा आ रही है बल्कि जरूरी संसाधनों की कमी से शिक्षकों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। परिसर में अतिक्रमण लगातार बढने से सुरक्षा का संकट और गहराता जा रहा है। शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने प्रशासन से मांग की है कि चोरियों पर तुरंत रोक लगाई जाए।

कलेक्टर की अध्यक्षता में प्रबंध समिति की बैठक संपन्न

बाउंड्रीवॉल और खेल मैदान पर हुई चर्चा

गुना। बच्चों को स्मार्ट बनना है, जो पढ़ाई के साथ खेलों में भी आगे रहें। जल्दी सीखने का मंत्र है रीड, राइट और रिवाइज। यह बात कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय गुना के विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कही। उन्होंने कहा कोडिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भविष्य के बड़े अवसर वाले क्षेत्र हैं, जिनमें एमएनसी कंपनियों में भी विशाल स्कोप है। कलेक्टर श्री कन्याल ने बच्चों को समझाया केवल किताबों तक सीमित न रहें, बल्कि जिले के शासकीय विभागों का भी भ्रमण कर व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करें। उन्होंने गुनिया नदी के पुनर्जीवन कार्य में भी विद्यालय के बच्चों और शिक्षकों को श्रमदान के माध्यम से जुडने की बात कही। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में आयोजित प्रबंध समिति की बैठक में सदस्यों ने विद्यालय की बाउंड्री वॉल की मरम्मत की आवश्यकता बताई ताकि पशुओं का परिसर में प्रवेश रोका जा सके। विद्यालय परिसर का निरीक्षण कर खेल मैदान विकसित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कंप्यूटर लैब का अवलोकन भी किया और बच्चों को तकनीकी शिक्षा की ओर प्रेरित किया। विद्यालय प्राचार्य विनोद राजोरिया ने पीपीटी प्रस्तुति में विद्यालय की गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। खेल में भी बच्चे जिले स्तर के साथ-साथ राज्य स्तर पर भी अपना अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर मंजूषा खत्रीजिला शिक्षा अधिकारी राजेश गोयल, नायब तहसीलदार अनुराग जैन सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जीवन मिला है तो उसका सदुपयोग करो :मुनिश्री निर्लोभ सागरजी

नवभारत न्यूज

गुना। हमारी पांचों इंद्रियां हमारी जीवन का दिशा तय करती हैं। हमारा मन ही हमें नचाता रहता है हमें मन के अनुसार नहीं बल्कि मन को अपने अनुसार चलाना चाहिए। क्योंकि जो भी जीवन हमें मिला है उसका दुरूपयोग नहीं उसका सदुपयोग करना है क्योंकि आज जो भी हमें प्राप्त हुआ है वह पूर्व के पुण्य से अच्छे कर्मों को करने से मिला है। यदि हम ऐसे कार्य इस पर्याय में करेंगे तो पुन: हमें सद्गति और सद्गुरुओं का सानिध्य मिलेगा। अत: हमें एक-एक समय का सदुपयोग करते

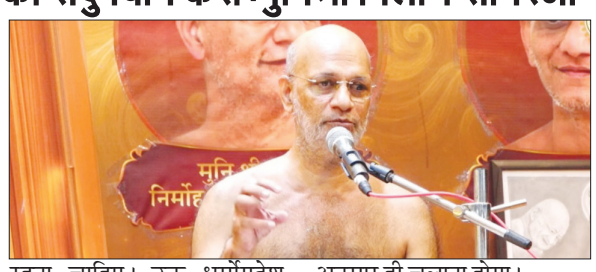

रहना चाहिए। उक्त धर्मोपदेश मुनिश्री निर्लोभ सागरजी महाराज ने कार्तिकेअनुप्रेक्षा ग्रंथ का स्वाध्याय कराते हुए पार्श्वनाथ बड़ा जैन मंदिर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। मुनिश्री ने कहा कि रोड बनी हुई है हमें अपनी गाड़ी को रोड के अनुसार ही चलाना होगा। अगर पूर्व कर्म से दुख आता भी है तो उसे अपना स्वयं का कर्म समझकर समताभाव से सहन करना चाहिए। तृयंच गति के जीवों में जो मन सहित जीव होते हैं उन्हें संघी और मन रहित जीवों को असंज्ञी जीव कहते हैं।

बाल मित्र योजना के तहत छात्रों ने किया बजरंगगढ़ थाने का भ्रमण

गुना। राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर पूरे प्रदेश में 8 से 15 सितंबर तक बाल मित्र योजना अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के मार्गदर्शन में जिले के सभी थानों पर छात्र-छात्राओं को थाना भ्रमण कराया जा रहा है। बुधवार को बजरंगगढ़ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कृपाल सिंह परिहार ने क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों को थाने पर आमंत्रित कर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। थाना प्रभारी ने बच्चों को थाने का भ्रमण कराया और उन्हें महिला व पुरुष बंदीगृह, थाना प्रभारी कक्ष, विवेचक कक्ष, कंप्यूटर कक्ष, शस्त्रागार और मालखाना दिखाया। इस दौरान पुलिस द्वारा उपयोग किए जाने वाले गैजेट्स और हथियार भी प्रदर्शित किए गए तथा उनके उपयोग की जानकारी दी गई। बच्चों को बताया गया कि किस प्रकार आधुनिक उपकरणों की मदद से अपराधों की रोकथाम और जांच की जाती है।

महत्वपूर्ण विषयों पर दी जानकारी

संवाद कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी ने छात्र-छात्राओं को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया। इसमें देशभक्ति, जनसेवा, राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा की भावना, साइबर अपराधों से बचाव, नशे के दुष्परिणाम, बाल विवाह और बाल श्रम उन्मूलन, गुड टच-बैड टच की समझ, पॉक्सो एक्ट और संविधान से जुड़े प्रावधान शामिल रहे। उन्होंने बच्चों को जिम्मेदार नागरिक बनने और हमेशा कानून का सम्मान करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर बच्चों को आपातकालीन सेवाओं के हेल्पलाइन नंबर साझा किए गए। इनमें पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 और साइबर हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं। थाना प्रभारी ने कहा कि जरूरत पडने पर इन नंबरों पर तुरंत संपर्क किया जाना चाहिए। थाना भ्रमण के दौरान बच्चे काफी उत्साहित दिखाई दिए। उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली से जुड़े कई सवाल पूछे, जिनका थाना प्रभारी ने सरल और मित्रवत अंदाज में जवाब दिया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को टॉफियां वितरित की गईं।

मांग पार्वती कालीसिंध चंबल लिंक परियोजना के तहत विशाल बांध बनाने की बजाय छोटे-छोटे को स्टॉप बांध बनाने की मांग

एमडीसी विषय की अनिवार्यता के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन

पीकेसी परियोजना का विरोध तेज,सीएम के नाम ज्ञापन

नवभारत न्यूज

गुना/चांचौड़ा। जिले के चांचौड़ा क्षेत्र में पार्वती, कालीसिंध और चंबल (पीकेसी) लिंक परियोजना को लेकर चांचौड़ा विधानसभा क्षेत्र में किसानों और ग्रामीणों का विरोध तेज हो गया है। ग्रामीणों ने बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन चांचौड़ा एसडीएम रवि मालवीय को सौंपा। ज्ञापन में ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि सरकार यदि सचमुच विकास चाहती है तो विशाल बांध बनाने के बजाय छोटे-छोटे स्टॉप डैम बनाए जाएं, ताकि किसानों की जमीन और गांव डूब क्षेत्र से बच सकें।

राधेपुरा-चितौड़ा क्षेत्र में प्रस्तावित है विशाल बांध

प्राप्त जानकारी के अनुसार, परियोजना के तहत ग्राम पाठाखेड़ी के पास राधेपुरा में चितौड़ा गांव की पहाडियों को जोडकर करीब पांच किलोमीटर लंबी डेम लाइन बनाने का सर्वे किया गया है। प्रस्तावित बांध की ऊंचाई लगभग

30 मीटर बताई जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, यदि यह बांध बना तो पांच ग्राम पंचायतों के गांव और उनकी जमीनें पूरी तरह डूब जाएंगी। लगभग 80 गांव आंशिक या पूर्ण डूब क्षेत्र में आ जाएंगे।

किसानों ने जताई आपत्ति, कहा उपजाऊ जमीन डूबेगी

ग्रामीणों का कहना है कि जिन गांवों को डूब क्षेत्र में शामिल किया गया है, वहां की भूमि पूरी तरह सिंचित और उपजाऊ है। खेत, बाग और घर सब कुछ डूब क्षेत्र में आने से हजारों किसान और उनके परिवार उजड़ जाएंगे। किसानों ने सवाल उठाया कि विकास के नाम पर उन्हें उनकी पुश्तैनी जमीन और घरों से बेदखल करना क्या न्यायसंगत है?

बिना सहमति लिया जा रहा निर्णय, अलोकतांत्रिक तरीका

ज्ञापन में ग्रामीणों ने लिखा कि लोकतंत्र में किसी भी योजना को लागू करने से पहले प्रभावित जनता से राय मशविरा होना चाहिए, लेकिन इस परियोजना में डूब क्षेत्र के किसानों की सहमति नहीं ली गई। इस कारण यह निर्णय अलोकतांत्रिक है। ग्रामीणों ने कहा कि सरकार चाहे तो छोटे-छोटे बांध बनाकर भी किसानों को पानी और सिंचाई का लाभ दे सकती है, जिससे गांव और खेत डूबने से बचेंगे।

पहले कुंभराज-1 और कुंभराज-2 का था प्रस्ताव

ग्रामीणों ने याद दिलाया कि प्रारंभिक स्तर पर इस परियोजना में कुंभराज-1 और कुंभराज-2 नाम से दो बांध बनाने का प्रस्ताव था। उस स्थिति में किसानों को नुकसान नहीं होता और सभी को बांध का लाभ मिलता। लेकिन अब राज्य शासन ने संशोधन कर एक विशाल बांध बनाने का निर्णय लिया है, जिससे प्रभावित क्षेत्र के किसानों में गहरी नाराजगी है।

भावनात्मक जुड़ाव भी टूटा तो होगा बड़ा संकट

ग्रामीणों ने कहा कि इंसान की भावनाएं उसकी जमीन और घर से जुड़ी होती हैं। मेहनत से बनाए खेत, घर, रिश्ते-नाते और सामाजिक ताने-बाने को एक झटके में उजाड़ देना उचित नहीं है। संकट के समय गांव-समाज ही एक-दूसरे की मदद करते हैं। ऐसे में हजारों किसानों को अपनी पुश्तैनी जमीन और गांव छोडने पर मजबूर करना न केवल अन्याय है बल्कि सामाजिक ढांचे पर भी चोट है।

सुरक्षा के बीच प्रशासन ने लिया ज्ञापन

ज्ञापन सौंपने के दौरान चांचौड़ा एसडीएम रवि मालवीय, एसडीओपी मनोज झा, तहसीलदार मयंक खमरिया समेत पूरा प्रशासन मौजूद रहा। सुरक्षा की दृष्टि से भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया। ग्रामीणों ने मांग की कि मुख्यमंत्री स्वयं इस मामले का संज्ञान लेकर परियोजना पर पुन: विचार करें और छोटे-छोटे स्टॉप डैम बनाने का निर्णय लें, ताकि विकास भी हो और किसानों की जमीन और गांव भी सुरक्षित रह सकें।

नवभारत न्यूज

गुना। मल्टी डिसिप्लीनरी कोर्स (एमडीसी) विषय की अनिवार्यता के खिलाफ बुधवार को छात्र संगठन डीएसओ ने पीजी कॉलेज परिसर में प्रदर्शन किया। संगठन के छात्र-छात्राओं ने प्रशासनिक कदम को मनगढ़ंत बताते हुए विरोध दर्ज कराया और प्राचार्य बीके तिवारी को ज्ञापन सौंपकर इसे तत्काल निरस्त करने की मांग की। इस दौरान कॉलेज में हमकर बवाल हुआ। डीएसओ के पदाधिकारियों ने बताया कि प्राचार्य ने उनकी बात नहीं सुनी तो उन्हें पीजी कॉलेज प्राचार्य के कक्ष के बाहर धरना देना पड़ा। एसडीसी के संबंध में हमने प्राचार्य से उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश की मांग तो उन्होंने कहा नहीं दिया। इस दौरान प्राचार्य ने छात्र और संगठनों की एक नहीं सुनी उल्टे तबियत खराब होने की बात कर चले। इस दौरान प्राचार्य ने धमकाते हुए कहा कि तुम्हें बने वो कर लो। दरअसल 28 अगस्त को कॉलेज प्रशासन ने नोटिस जारी किया, जिसके तहत आर्ट्स संकाय में दाखिला लेने वाले छात्रों

को अब साइंस या कॉमर्स से जुड़ा कोई विषय चुनना होगा। इसी तरह साइंस के छात्रों को आर्ट्स या कॉमर्स और कॉमर्स के छात्रों को आर्ट्स या साइंस से कोई विषय चुनने की अनिवार्यता कर दी गई है। जबकि पहले छात्रों को ओपन इलेक्टेड विषय चुनने की स्वतंत्रता थी। छात्रों का आरोप है कि यह नियम केवल पीजी कॉलेज गुना में लागू किया जा रहा है। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से ऐसी कोई अनिवार्यता नहीं आई है। कॉलेज में इस समय 5500 से अधिक छात्र पुरानी व्यवस्था के तहत एडमिशन ले चुके हैं और वे विषय परिवर्तन नहीं चाहते, बावजूद इसके कॉलेज प्रशासन उन्हें मजबूर कर रहा है।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरी पक्षकार एल.आई.सी. एच.एफ.एल. द्वारा वीरपाल यादव के हित में ऋणप्रदाय किये जाने हेतु दस्तावेज एकत्र कर रहे है, उक्त प्रक्रिया में दस्तावेज जो विक्रेता श्रीकिशन पुत्र श्री नन्नूलाल कुशवाह द्वारा विक्रीत की भूमि प.ह.न. 20, सर्वे नं. 684/2/1ख क्षेत्रफल 1020 वर्गफुट वार्ड नं.02 आरोन जिला गुना का विक्रय किया गया था, जो क्रेता जितेन्द्र सिंह यादव पुत्र श्री विशन सिह यादव द्वारा क्रय किया गया था, जिसका दस्ता0 क्र.1179 पुस्तक क्र. अ1/1012 दिनांक 26.12.2011 है, उक्त मूल (दस्तावेज) विक्रय पत्र कहीं गुम हो गया हैं।

यदि किसी व्यक्ति को मिला हो तो कृपया मुझे प्रदान करें अथवा मुझसे संपर्क करें।

उक्त दस्तावेज का इस्तेमाल कोई करें या खरीदे तो इसके लिए खरीददार स्वयं जिम्मेदार होगा। यदि किसी भी व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था, बैंक को कोई आपत्ति हो या किसी प्रकार से हित हो तो आज से सात दिवस के भीतर दस्तावेज सहित मुझ से संपर्क करें। समय सीमा पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

शलभ पारीक, एडवोकेट
31/248 आदर्श कॉलोनी गुना
फोन-9425746155